तेरे दरबार आते रहेंगे | By Sunil Sarvottam

तेरे दरबार पे आते थे आते हैं आते ही रहेंगे
तेरा गुणगान सुनाते थे सुनाते हैं सुनाते ही रहेंगे

तेरे दरबार पे हमने वो चमत्कार देखे हैं
जो सब कुछ हार बैठे थे वो साहूकार देखे हैं
तेरा दरबार सजाते थे सजाते हैं सजाते ही रहेंगे

तेरे दरबार पे हारों को सदा जीत मिलती है
तेरे दरबार पे गिरतो को सदा प्रीत मिलती है
सदा प्रीत मिलती है सदा जीत मिलती है
तेरे दरबार से पाते थे पाते हैं पाते ही रहेंगे

तेरे दरबार पे आते ही गम दूर होते हैं
वो सब कुछ पा के जाते हैं के जो मजबूर होते हैं
तेरे दर शीश झुकाते थे झुकाते हैं झुकाते ही रहेंगे
तेरे दरबार पे आते थे आते हैं आते ही रहेंगे Sunil Kumar

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%86%e0%a4%a4%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a5%87%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a5%87-by-sunil-sarvottam-4/